Assistant Professor (College Edu. Deptt.) Exam-2025

Exam Date :- 08-12-2025

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या	: 24
Number of Pages in Booklet	: 24
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या	: 150
No. of Questions in Booklet	: 150

CAP-25

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

814633

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

Paper Code : 01

Paper – I
Sub : Hindi-I

समय : 03:00 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03:00 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।**
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से **केवल नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है ।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा** । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
10. * **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
12. **मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।**

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022** तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than **one** answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10. * **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 &** any other laws **applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. किस विकल्प में 'ई' प्रत्यय से निर्मित शब्द नहीं है ?
(1) ऊनी (2) बुद्धिमानी
(3) चाँदनी (4) सावधानी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. किस विकल्प में सही सन्धि-विच्छेद नहीं है ?
(1) प्रतिष्ठा = प्रति + स्था
(2) परिच्छेद = परित् + छेद
(3) सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र
(4) महच्छत्र = महत् + छत्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. स्वर-संधि से निर्मित शब्द है
(1) आच्छादन (2) सदानन्द
(3) भूषण (4) न्यून
(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. द्विगु समास से निर्मित शब्द नहीं है
(1) पंसेरी (2) सतनजा
(3) त्रैलोक्य (4) तैंतालीस
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. 'आ' उपसर्ग से निर्मित शब्द नहीं है
(1) आरम्भ (2) आकाश
(3) आधुनिक (4) आकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. शुद्ध शब्द कौन सा है ?
(1) दुस्कर (2) पश्चाताप
(3) निरालम्ब (4) यशगान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. शुद्ध वाक्य है
(1) इसी बहाने से हमें दर्शन हो गए ।
(2) नानक ने अपना सारा धन साधुओं को बाँट दिया ।
(3) उसने मुझे खाने को बुलाया ।
(4) बड़ी बहन ने उनका माँ की तरह लालन-पालन किया ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. जातिवाचक संज्ञा से निर्मित भाववाचक संज्ञा है
(1) राज्य (2) सजावट
(3) धैर्य (4) चलन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. किस वाक्य में सर्वनाम का प्रयोग नहीं हुआ है ?
(1) तुम लोग अभी तक कहाँ थे ?
(2) भला आपने इसकी शांति का भी कुछ उपाय किया है ।
(3) आप भला तो जग भला ।
(4) जितनी चादर देखो उतना पैर फैलाओ ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. मिश्र वाक्य का उदाहरण नहीं है
(1) मेरा भाई यहाँ आयेगा या मैं ही उसके पास जाऊँगा ।
(2) जो मनुष्य धनवान् होता है उसे सभी चाहते हैं ।
(3) जब सवेरा हुआ तब हम लोग बाहर गये ।
(4) इस मेले का मुख्य उद्देश्य है कि व्यापार की वृद्धि हो ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. 'पिता ने लड़के को कहानी सुनाई।'

वाक्य में क्रिया का रूप है

(1) अकर्मक क्रिया (2) नामधातु क्रिया

(3) संयुक्त क्रिया (4) प्रेरणार्थक क्रिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. किस विकल्प में सभी शब्द परिमाणवाचक क्रियाविशेषण हैं ?

(1) कम, निकट, अवश्य

(2) बराबर, निरंतर, एकाएक

(3) तनिक, तत्काल, बहुधा

(4) अत्यंत, लगभग, अधिक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. इनमें से किस वाक्य में 'संबंधसूचक अव्यय' का प्रयोग नहीं हुआ है ?

(1) नौकर मालिक के यहाँ रहता है।

(2) वह काम पहले करना चाहिए।

(3) गाड़ी समय से पहले आई।

(4) रात भर जागना अच्छा नहीं होता।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. "यह चाँदी खोटी सी दिखती है।" वाक्य में रेखांकित पद 'खोटी सी' किस विशेषण का उदाहरण है ?

(1) परिमाणवाचक (2) गुणवाचक

(3) संख्यावाचक (4) सार्वनामिक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्।' काव्य का लक्षण मानने वाले आचार्य हैं

(1) आचार्य जयदेव (2) आचार्य मम्मट

(3) आचार्य कुन्तक (4) आचार्य भामह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. आचार्य मम्मट ने काव्य लक्षणों में इनमें से किसे परिगणित नहीं किया है ?

(1) अदोषता

(2) गुणयुक्तता

(3) यथासंभव अलंकारयुक्तता

(4) वक्रोक्तिमय व्यापारयुक्त बंधन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. 'प्रज्ञा नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा मता।' कहकर काव्य-हेतु प्रतिभा की व्याख्या करने वाले आचार्य हैं

(1) राजशेखर (2) रुद्रट

(3) कुंतक (4) भट्ट तौत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चय बोधक अव्यय का उदाहरण है :

(1) गर्म हवा ऊपर उठती है क्योंकि वह हलकी होती है।

(2) देर तक सोना अच्छा नहीं होता।

(3) नौकर गाँव तक गया।

(4) प्रवाह उन्हें तालाब का जैसा रूप दे देता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. "साहित्य की अतिशयोक्तियाँ भी इंद्रधनुष-सी, जीवन के स्थूल, अकाल्पनिक और रूखे अस्तित्व को मनोरम बना देती हैं । साहित्य में मनुष्य का जीवन ही नहीं, जीवन की वे कामनाएँ, जो अनंत जीवन में भी पूरी नहीं हो सकतीं, निहित रहती हैं ।" साहित्य संबंधी यह अवधारणा है

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(2) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
(4) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. सहृदयों के हृदय में वासना रूप में स्थित शाश्वत मनोविकार कहलाते हैं

(1) स्थायी भाव (2) विभाव
(3) अनुभाव (4) व्यभिचारी भाव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. "साधारणीकरण का अर्थ है काव्य के भावन द्वारा पाठक या श्रोता का भाव की 'सामान्य' भूमि पर पहुँच जाना ।" उक्त मत किसका है ?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) आचार्य केशव प्रसाद मिश्र
(3) डॉ. नगेंद्र
(4) बाबू गुलाबराय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. आचार्य मम्मट द्वारा विवेचित काव्य रचना के विभिन्न प्रयोजनों में से 'सद्य:परनिर्वृत्तये' से आशय है

(1) तत्काल कष्ट निवारण
(2) व्यावहारिक ज्ञान की प्राप्ति
(3) तत्काल आनंदानुभूति
(4) सरस एवं मनमोहक शिक्षा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. जिस ध्वनि में वाच्यार्थ द्वारा वक्ता के कथन का तात्पर्य नहीं ज्ञात होता, वह है

(1) अविवक्षितवाच्य ध्वनि
(2) असंलक्ष्यक्रमव्यंग्य ध्वनि
(3) संलक्ष्यक्रमव्यंग्य ध्वनि
(4) अभिधामूला ध्वनि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. सभी अर्थालंकारों को समाविष्ट करने वाली वक्रता है

(1) पद पूर्वार्ध वक्रता
(2) पद परार्ध वक्रता
(3) वाक्य वक्रता
(4) वर्ण विन्यास वक्रता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. ध्वनि का वह भेद जिसमें 'वाच्यार्थ से व्यंग्यार्थ की प्रतीति इतनी शीघ्रता से होती है कि उसके पूर्वापर का ज्ञान नहीं होता ।' वह है

(1) संलक्ष्यक्रमव्यंग्य ध्वनि
(2) असंलक्ष्यक्रमव्यंग्य ध्वनि
(3) अर्थान्तरसंक्रमितवाच्य ध्वनि
(4) अत्यन्ततिरस्कृतवाच्य ध्वनि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. 'रस-निष्पत्ति' से सम्बन्धित 'शंकुक' का सिद्धांत है

(1) उत्पत्तिवाद (2) अनुमितिवाद
(3) भुक्तिवाद (4) अभिव्यक्तिवाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. उपमा अलंकार के सम्बन्ध में असंगत है

(1) इसमें चमत्कारपूर्ण सादृश्य का कथन होना चाहिए ।

(2) जिस पदार्थ का साम्य अन्य पदार्थ के साथ स्थापित किया जाये उसे उपमान कहते हैं ।

(3) औपम्यसूचक शब्दों को वाचक कहते हैं ।

(4) उपमेय को अल्पगुणशाली तथा उपमान को उत्कृष्टगुणशाली माना जाता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. सादृश्य के कारण उपमेय में उपमान के संशय को कौन सा अलंकार कहा जाता है ?

(1) भ्रान्तिमान (2) उपमा

(3) उत्प्रेक्षा (4) सन्देह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. वयणसगाई अलंकार के सम्बन्ध में असंगत कथन है

(1) समान स्वरों की वयणसगाई उत्तम कोटि की गिनी जाती है ।

(2) अल्पप्राण और महाप्राण की वयणसगाई अधम कोटि की गिनी जाती है ।

(3) प्रथम शब्द के आदि वर्ण की आवृत्ति चरणान्त शब्द के अन्त में होने पर उसे आदिमेल कहा जाता है ।

(4) प्रथम शब्द के आदि वर्ण की आवृत्ति चरणान्त के शब्द के मध्य में भी सम्भव है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. "अंगीकरोति य: काव्यं शब्दार्थावनलंकृती ।
असौ न मन्यते कस्मादनुष्णमनलं कृती ।।"
आचार्य मम्मट के 'अनलंकृती पुन: क्वापि' का प्रतिवाद करते हुए उक्त कथन किस आचार्य का है ?

(1) भामह (2) जयदेव

(3) अप्पय दीक्षित (4) राजानक रुय्यक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. "अंग-अंग जारत अरी, तीखन ज्वाला-जाल ।
सिन्धु उठी बड़वाग्नि यह, नहीं इन्दु भव-भाल ।"
में अलंकार है

(1) भ्रान्तिमान (2) सन्देह

(3) विभावना (4) अपह्नुति

(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. उत्प्रेक्षा अलंकार का मुख्य लक्षण है

(1) उपमेय में उपमान का संशय ।

(2) उपमेय का निषेध कर उपमान की स्थापना ।

(3) प्रस्तुत में अप्रस्तुत की संभावना ।

(4) एक वस्तु पर दूसरी वस्तु का आरोप कर दोनों में अभेद स्थापन ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. 'उपमेय पर उपमान के निषेधरहित आरोप' में कौन सा अलंकार होता है ?

(1) उत्प्रेक्षा (2) रूपक

(3) उपमा (4) वक्रोक्ति

(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. अलंकार के सम्बन्ध में असंगत विकल्प है

(1) यमक और श्लेष दोनों में ही हर बार अर्थ भिन्न होता है ।

(2) श्लेष में शब्द की आवृत्ति नहीं होती ।

(3) यमक में हर नए अर्थ के साथ शब्द की आवृत्ति होती है ।

(4) 'गाँव-गाँव अस होइ अनन्दा' में यमक अलंकार है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. 'मनि-मुख मेलि ठारि कपि देहीं।'

पंक्ति में अलंकार है

(1) भ्रान्तिमान (2) विभावना

(3) सन्देह (4) अपह्नुति

(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. 'गीतिका' छंद के विषय में असंगत है

(1) प्रत्येक चरण में 26 मात्रा

(2) 12, 14 पर यति

(3) अंत में लघु-गुरु

(4) मात्रिक सम छंद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. "हम खेलें कूदें हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में।।"

उपर्युक्त पंक्तियाँ किस छंद में रचित हैं ?

(1) हरिगीतिका (2) कवित्त

(3) उल्लाला (4) गीतिका

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. "आनन रहित सकल रस भोगी। बिन बानी बकता बड़ जोगी।" इन पंक्तियों में कौन सा अलंकार है ?

(1) विभावना (2) संदेह

(3) भ्रांतिमान (4) रूपक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. कुंडलिया छंद के विषय में असंगत विवरण है

(1) यह दोहा और उल्लाला के मिश्रण से बनता है।

(2) दोहे की दो पंक्तियाँ कुंडलिया के प्रथम दो चरण माने जाते हैं।

(3) दोहे का प्रथम चरण जिस शब्द से आरंभ होता है, वही शब्द कुंडलिया के अंत में आता है।

(4) इसमें छह चरण होते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. छप्पय के संदर्भ में सही विवरण कौन सा है ?

(1) यह मात्रिक छंद है।

(2) यह 26 और 28 मात्राओं के मिश्रण से बनता है।

(3) इसके प्रथम दो चरण ही रोला छंद के होते हैं।

(4) इसके अंतिम चार चरण उल्लाला के होते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. 'चौपाई' छंद का लक्षण नहीं है

(1) चार चरण होते हैं।

(2) प्रत्येक चरण में सोलह मात्राएँ होती हैं।

(3) 'तुक' दूसरे चरण की चौथे चरण से मिलती है।

(4) प्रत्येक चरण के अन्त में जगण और तगण का प्रयोग वर्जित है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. गिरि हिमालय के उपकूल में । कपिलवस्तु पुरी अति रम्य थी ।।

वह प्रसिद्धिमयी धन अन्नदा । सुभग शासन भूषित भूमि थी ।।

उक्त काव्यांश किस छंद में निबद्ध है ?

(1) द्रुतविलंबित (2) चौपाई

(3) कवित्त (4) कुंडलिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. 'अकबर समँद अथाह तहँ डूबा हिन्दू-तुरक ।

मेवाड़ों तिण माँह पोयण – फूल प्रतापसी ।।'

उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है

(1) दोहा (2) सोरठा

(3) उल्लाला (4) गीतिका

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. हरिगीतिका छन्द के विषय में असंगत है

(1) प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं ।

(2) अन्त में लघु–गुरु मात्रा होती है ।

(3) 12-16 पर यति होती है ।

(4) गीतिका के चरण में दो मात्राएँ जोड़ने से हरिगीतिका छन्द का चरण बन जाता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. मंदाक्रांता छंद का सही गण क्रम है

(1) म, न, त, भ, त, दो गुरु

(2) म, भ, त, न, त, दो गुरु

(3) म, त, त, न, भ, दो गुरु

(4) म, भ, न, त, त, दो गुरु

(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. अनुकरण के सम्बन्ध में प्लेटो का कौन सा कथन सत्य है ?

(1) प्रत्यय जगत यथार्थ है; ईश्वर उसका स्रष्टा है ।

(2) वस्तु-जगत यथार्थ का अनुकरण है ।

(3) कला-जगत वस्तु-जगत का अर्थात् अनुकरण का अनुकरण है; कलाकार उसका अनुकर्ता है ।

(4) चूँकि कला नकल की नकल है, छाया की छाया है, अत: सत्य है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. प्लेटो की साहित्य से संबंधित मान्यताओं के अनुसार असंगत कथन है

(1) बाह्य जगत की वस्तुओं की अनुकृति साहित्य-रचना के मूल में है ।

(2) साहित्य से मनुष्य को आनंद प्राप्त होता है और उससे उसे एक अनिर्वचनीय सुखद अनुभूति होती है ।

(3) साहित्य की प्रक्रिया बौद्धिक होती है, भावनात्मक नहीं ।

(4) साहित्य हमारी चेतन-वृत्ति और सदसद् विवेक को नहीं जगाता बल्कि उसके विपरीत वह आत्मविस्मृत कर देता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. कौन सा विकल्प प्लेटो की काव्य संबंधी मान्यताओं के विरुद्ध है ?

(1) प्लेटो के अनुसार हमारा उत्तम अंश तर्क का अनुसरण करता है ।

(2) तर्कहीन भावना-पक्ष या संवेग-पक्ष हमारे कष्टों से उद्वेलित होकर शोक-दुःख आदि से ग्रस्त हो जाता है ।

(3) कविता अपनी शक्ति से अनैतिकता का चित्रण कर हमारे संवेगों और वासनाओं को जाग्रत करके हमें कभी आघात नहीं पहुँचाती है ।

(4) हम नाटक और काव्य में लोगों के अनुचित कुकर्मों को देखते–सुनते हैं, जिनसे हमें घृणा है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. कथानक के अन्तर्गत अरस्तू त्रासदी का सबसे प्रबल रागात्मक तत्त्व किसे मानते हैं ?

(1) कार्यव्यापार की अन्विति
(2) समुचित क्रम योजना
(3) स्थिति विपर्यय अथवा अभिज्ञान
(4) सहजता और कुतूहलता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. अरस्तू ने काव्य को किसकी अनुकृति माना है ?

(1) भाव (2) विचार
(3) प्रकृति (4) कवि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. निम्नलिखित में से डॉ. नगेन्द्र के अनुसार अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत के संबंध में असंगत कथन है :

(1) कलाकृति मूल वस्तु का पुनरुत्पादन है ।
(2) कलाकृति कलाकार के मनोगत बिंब का प्रतिफल होती है ।
(3) कलाकृति में मानव-जीवन के विशिष्ट पक्ष का अनुकरण होता है ।
(4) कलाकृति मानव-जीवन का आदर्शीकृत प्रतिरूपण है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. प्लेटो के काव्यचिंतन के संदर्भ में असंगत है

(1) कवि दैवी प्रेरणा और आवेश में आकर काव्य रचना करता है ।
(2) कवि के वर्णन असत्य, अवास्तविक किंतु तर्क पर आधारित होते हैं ।
(3) वह काव्य स्वागतयोग्य है, जिसमें सत्य और ज्ञान की पूर्ण प्रतिष्ठा हो ।
(4) काल्पनिक, अतिरंजित, भावुक और अज्ञानजन्य काव्य समाज को गलत दिशा में ले जाता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. लौंजाइनस के अनुसार 'महान् विचारोद्भावना' किसकी प्रतिध्वनि है ?

(1) महत् कवि की
(2) महत् आत्मा की
(3) महत् सहृदय पाठक की
(4) महत् बुद्धि की
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. निम्नलिखित में से लौंजाइनस के अनुसार उदात्त का अवरोधक दोष नहीं है :

(1) वागाडंबर
(2) भावाडंबर
(3) बालेयता
(4) मूर्त विभावन-व्यापार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त के सम्बन्ध में असंगत है

(1) अरस्तू द्वारा प्रयुक्त मूल शब्द 'कैथार्सिस' (Katharsis) है ।
(2) उनके काव्य चिन्तन का एक केन्द्रीय सरोकार था कि प्लेटो के द्वारा लगाये गये आक्षेपों के विरुद्ध काव्य का पक्ष-समर्थन कर सके ।
(3) संरचनापरक व्याख्या के अनुसार विरेचन प्रेक्षक के मनोविकारों का होता है, विषयवस्तु का नहीं ।
(4) अरस्तू ने चिकित्साशास्त्र से इस शब्द को ग्रहण कर त्रासदी के प्रसंग में इसका प्रयोग लाक्षणिक अर्थ में किया ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. "काव्यात्मक अभिव्यक्ति संवेगों की सीधी अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि सहजज्ञान की अभिव्यक्ति है ।" इस मत को प्रमुखतापूर्वक स्थापित करने वाले विचारक हैं

(1) क्रोचे (2) कॉलरिज

(3) लौंजाइनस (4) एलियट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. कॉलरिज के विचारानुसार कलाकार वस्तुओं के बाह्य रूपों को भेदकर उनके अंतर का सत्य पाने की चेष्टा करता है । यह अंतर्भेदी दृष्टि उसे किससे प्राप्त होती है ?

(1) ललित कल्पना से

(2) गौण कल्पना से

(3) सामान्य कल्पना से

(4) मुख्य कल्पना से

(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. क्रोचे के अभिव्यंजना सिद्धांत के संबंध में असंगत कथन है

(1) कला, अभिव्यंजना और सहजानुभूति पर्यायवाची हैं ।

(2) अभिव्यंजना बाह्य नहीं अपितु मानसिक या आंतरिक होती है ।

(3) रूप ही सौन्दर्य का आधार है जिसका अभिव्यंजना से कोई संबंध नहीं है ।

(4) कल्पना सौन्दर्य का अनिवार्य तत्त्व है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. कॉलरिज के सिद्धांतानुसार गलत कथन है

(1) कल्पना सृजन है और ललित कल्पना पुन:प्रस्तुति ।

(2) कल्पना का कार्य सदा सरस और गरिमामय होता है, किंतु ललित कल्पना कई बार विरस, क्षुद्र और हास्यास्पद संयोजन भी कर देती है ।

(3) कल्पना द्वारा दूरस्थ बिंबों के संश्लेषण में सुसंगति और रम्यता होती है, किंतु ललित कल्पना द्वारा संयोजित बिंबों में कोई प्राकृतिक या नैतिक संबंध नहीं होता ।

(4) मुख्य कल्पना और ललित कल्पना में अंतर होते हुए भी दोनों का समान महत्त्व है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. कौन सा कथन कॉलरिज के कल्पना विषयक विचारों के प्रतिकूल है ?

(1) कल्पना मानव द्वारा अर्जित सर्जनाशक्ति है ।

(2) कल्पना समन्वय का भी कार्य करती है ।

(3) कल्पना पदार्थ और चेतना का, विचार तथा भाव का समन्वय करती है ।

(4) कल्पना सामान्यत: विपरीत या विरुद्ध समझे जाने वाले तत्त्वों का समंजन तथा संलयन करने वाली शक्ति है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. कौन सा कथन कॉलरिज के 'कल्पना सिद्धांत' के अनुरूप नहीं है ?

(1) मुख्य कल्पना की अवस्थिति जन सामान्य के मस्तिष्क में भी होती है ।

(2) मुख्य कल्पना का संबंध मुख्यत: भौतिक जगत् से होता है ।

(3) मुख्य कल्पना गौण कल्पना की अपेक्षा अधिक सक्रिय, सचेत तथा सायास होती है ।

(4) गौण कल्पना मनुष्य को उच्चतर आध्यात्मिक जगत् का साक्षात्कार कराने में भी सक्षम होती है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. 'परम्परा के बोध' से टी.एस. एलियट का तात्पर्य है

(1) जैविक अपूर्णता से

(2) आलोचना को सर्जन की अपेक्षा से

(3) रचना और आलोचना की व्यवस्था से

(4) नवीनता को ग्रहण न करने से

(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. एलियट के 'काव्य के तीन स्वर' के विपरीत विवरण है

(1) प्रथम स्वर में कवि किसी को नहीं या स्वयं को संबोधित करता है ।

(2) दूसरे स्वर में कवि पाठक/श्रोता समुदाय को संबोधित करता है ।

(3) तीसरे स्वर में एक काल्पनिक पात्र दूसरे काल्पनिक पात्र को संबोधित करता है ।

(4) यह आवश्यक है कि एक स्वर की उपस्थिति में बाकी दोनों स्वर अनुपस्थित रहें ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. कौन सा विकल्प टी.एस. इलियट की स्थापनाओं के विरुद्ध है ?

(1) परंपरा वास्तव में ऐतिहासिक चेतना या इतिहास-बोध नहीं है ।

(2) कलाकार या कवि की प्रगति, परंपरा के विकास तथा निर्वैयक्तीकरण से ही होती है ।

(3) साहित्य एक अविच्छिन्न एवं अखंड धारा है । अतीत और वर्तमान उसके दो छोर हैं, जो एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं ।

(4) महान् काव्य-रचना के लिए अनुभव और ज्ञान की परिपक्वता या प्रौढ़ता आवश्यक है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. निम्नलिखित कथनों के आधार पर सही उत्तर विकल्प चुनिए :

(क) मार्क्स के चिंतन का मुख्य क्षेत्र अर्थव्यवस्था और दर्शन था, सौंदर्यशास्त्र नहीं ।

(ख) कला और सौंदर्यशास्त्र में मार्क्स और एंगिल्स की गहरी दिलचस्पी थी ।

उत्तर विकल्प :

(1) क, ख दोनों सही

(2) क सही, ख गलत

(3) क गलत, ख सही

(4) क, ख दोनों गलत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. मार्क्सवाद के अनुसार समाज की चार प्रकार की सामाजिक अवस्थाओं में सम्मिलित नहीं है

(1) आदिम साम्यवाद

(2) सामंतवाद

(3) पूँजीवाद

(4) संरचनावाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. कौन सा कथन टी.एस. एलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी स्थापनाओं की दृष्टि से सही नहीं है ?

(1) कवि अपने व्यक्तित्व को नहीं, बल्कि एक माध्यम को अभिव्यक्त करता है ।

(2) वे कवि और कविता के पारस्परिक अविच्छिन्न संबंध को स्वीकार करते हैं ।

(3) कवि अपने को कृति के प्रति समर्पित किए बिना निर्वैयक्तिक हो ही नहीं सकता ।

(4) कविता मनोभावों की स्वच्छंदता नहीं है, वरन् उससे पलायन है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. मार्क्सवाद के संबंध में असंगत कथन है

(1) मार्क्सवाद दार्शनिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विचारों की एक पद्धति है ।

(2) मार्क्सवाद को वैज्ञानिक समाजवाद भी कहा जाता है ।

(3) सृष्टि का मूल सत्य परिवर्तन है ।

(4) मनुष्य के उत्पादन संबंधों के परिवर्तित होने पर भी सामाजिक संबंध यथावत् रहते हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. उत्तर आधुनिकतावाद के संबंध में असंगत कथन है

(1) यह महावृत्तांत के विरुद्ध है ।

(2) यह उत्तर पूँजीवादी व्यवस्था की उपज है ।

(3) इसमें ज्ञान के दो रूपों की चर्चा की गई है – वैज्ञानिक ज्ञान और आख्यान ।

(4) इसमें समग्रतावादी सार्वभौमिक सत्य को स्वीकार किया गया है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. "भौतिक जीवन संबंधी उत्पादनों की रीति ही सामान्यत: जीवन की सामाजिक, राजनीतिक और बौद्धिक प्रक्रियाओं का निर्णय करती है । मनुष्य की चेतना उसके अस्तित्व का निर्णय नहीं करती । उलटे उसका सामाजिक अस्तित्व-बोध ही उसकी चेतना का निर्णय करता है ।" इस विचार के प्रस्तोता हैं

(1) कार्ल मार्क्स (2) लौंजाइनस

(3) कॉलरिज (4) टी.एस. एलियट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. 'अति सरलीकरण के रूप में मैं उत्तर आधुनिक को महाख्यान के प्रति अविश्वास के रूप में परिभाषित करता हूँ ।' इस विचार के प्रस्तोता हैं

(1) चार्ल्स जैन्क्स (2) फ्रैंक करमोड

(3) आर्नल्ड टॉयन्बी (4) लियोतार्द

(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. विखंडन के संबंध में देरिदा की मान्यता नहीं है

(1) यह एक निरंतर प्रक्रिया है ।

(2) यह एक रणनीति है ।

(3) यह वाक् केंद्रिक सत्यों की स्वीकृति है ।

(4) यह पठन की गतिविधि है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. विखंडनवाद के संदर्भ में कौन सा कथन त्रुटिपूर्ण है ?

(1) पाठ जो कुछ कहता है, वही उसका ठीक-ठीक अर्थ नहीं है ।

(2) विखंडन द्वारा संपूर्ण अर्थ का उद्‌घाटन संभव है ।

(3) अर्थ का केंद्र कहीं नहीं होता ।

(4) हर रचना की पुनर्व्याख्या, पुनर्पाठ या पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. उत्तर आधुनिकतावाद के संबंध में असंगत कथन है

(1) विज्ञान की जगह अनुभव की वापसी है ।

(2) योजना की जगह बाज़ार है ।

(3) धार्मिक पहचान की जगह धर्म-निरपेक्षता है ।

(4) जातिवादी, स्त्रीवादी जैसे उपकेन्द्रों की वापसी है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. बांन नालि हथनालि । तुपक तीरह श्रब सज्जिय ।
पवै पहार मनों सार के । भिरि भुजांन गजनेस बल ।।
शब्द और अर्थ की दृष्टि से असंगत विकल्प है

(1) नालि = तोप (2) हथनालि = बंदूक
(3) तुपक = टोपी (4) बल = सेना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. "बज्जिय घोर निसाँन राँन चौहाँन चिहौ दिस ।।
सकल सूर सामंत । समरि बल जंत्र मंत्र तस ।।"
इस छंद में किसके मध्य होने वाले युद्ध का वर्णन है ?

(1) गौरी की सेना और पृथ्वीराज की सेना
(2) पृथ्वीराज की सेना और कुमोदमणि की सेना
(3) कुमोदमणि की सेना और गौरी की सेना
(4) विजयपाल की सेना और पृथ्वीराज की सेना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. कौन सा विकल्प 'विखंडनवाद' का सही परिचय नहीं देता है ?

(1) विखण्डन दार्शनिक आशयों, तत्त्वमीमांसाओं, विषयों, निष्कर्षों, विचारधारा शास्त्रों से सम्बन्धित नहीं है ।
(2) यह विभिन्न रूप में सार्थक संरचनाओं, शिक्षणात्मक या अलंकारशास्त्रीय नियमों और उनके बाज़ार की प्रतिनिधिकता से सम्बन्धित है ।
(3) देरिदा ने साहित्य को दर्शन और सोचने का एक तरीका माना है ।
(4) रचना और आलोचना 'अर्थ निर्माण' के दो तरीके हैं, जो बड़े–छोटे होते हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. "सतगुर साँचा सूरिवाँ, तातै लोहिं लुहार ।
कसणो दे कंचन किया, ताई लिया ततसार ।।"
साखी के संदर्भ में असंगत अर्थ है

(1) साँचा = सच्चा (2) सूरिवाँ = वीर
(3) तातै = इसलिए (4) कसणो = कसौटी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. 'रात्यूँ रूँनी बिरहनीं, ज्यूँ बंचौ कूँ कुंज ।'
कबीरदास की साखी के इस पद में विरहिणी की तुलना कौन से पक्षी से की गई है ?

(1) क्रौंच (2) कोयल
(3) कबूतर (4) कठफोड़वा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. "अरध उरध की गंगा जमुना, मूल कवल कौ घाट ।
षट चक्र की गागरी, त्रिवेणी संगम बाट ।।"
इस पंक्ति में निहित अर्थ नहीं है

(1) नाद और बिन्दु
(2) इड़ा और पिंगला
(3) मूलाधार चक्र
(4) भ्रू मध्य स्थित त्रिवेणी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. 'संदेस सुनत आनंद नैन । उमगिय बाल मन मथ्थ सैन ।।'
पदमावती समय की इन पंक्तियों में प्रयुक्त 'मन मथ्थ' शब्द का अर्थ है

(1) इन्द्र (2) कामदेव
(3) हाथी (4) मनोविकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. आली री मेरे नयनन बान पड़ी ।

चित्त चढ़ी मेरै माधुरी मूरत, उर बिच आन अड़ी ।।

कब की ठाडी पंथ निहारूँ, अपने भवन खड़ी ।

कैसे प्राण पिया बिन राखूँ, जीवन मूल जड़ी ।।

मीराँ गिरधर हाथ बिकानी, लोग कहै बिगड़ी ।।

पद में अभिव्यक्त केन्द्रीय भाव है

(1) वैराग्य

(2) दैन्य

(3) ईश वंदना

(4) प्रेमासक्ति

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. दुलहनी गावहु मंगलचार,

हम घरि आए हो राजा राम भरतार ।।

तन रत करि मैं मन रत करिहूँ, पंचतत्त बराती ।

रामदेव मोरैं पाँहुनैं आये मैं जोबन मैं माती ।।

सरीर सरोवर बेदी करिहूँ, ब्रह्मा वेद उचार ।

रामदेव सँगि भाँवरी लैहूँ, धनि धनि भाग हमार ।।

सुर तैंतीसूँ कौतिग आये, मुनिवर सहस अठ्यासी ।

कहै कबीर हँम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अबिनासी ।।

उपर्युक्त पद की व्याख्या के सन्दर्भ में असंगत है

(1) सम्पूर्ण पद में रहस्यवाद की व्यंजना है ।

(2) तैंतीस कोटि देवता प्रकृति शक्तियों के प्रतीक हैं ।

(3) सात फेरे सात शरीरों के क्रमिक विसर्जन के प्रतीक हैं ।

(4) 'तन रत करि मैं मन रत करिहूँ' में 'मैं' से तात्पर्य निर्गुण, निराकार, अविनाशी ब्रह्म है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. "आरति तेरी अन्तरि मेरे, आओ अपनी जाण ।

मीराँ व्याकुल बिरहिणी रे, तुम बिनि तलफत प्राण ।।"

इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त 'आरति' शब्द यहाँ किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ?

(1) उत्कट लालसा

(2) अभीष्ट सिद्धि

(3) पूजा आराधना

(4) विषम मार्ग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. "सोहत लोह परसि पारस ज्यों सुबरन बारह बानि ।"

भ्रमरगीत की इस पंक्ति में प्रयुक्त 'बारह बानि' का क्या अर्थ है ?

(1) बारह वर्णों से बनी कविता

(2) बार-बार की आदत

(3) कान में पहनने का एक गहना

(4) सूर्य की तरह चमकने वाला खरा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. 'म्हारा ओलगिया ! घर आज्यो जी ।' मीराँ के पद की इस पंक्ति में 'ओलगिया' शब्द प्रयुक्त हुआ है

(1) प्रवासी प्रियतम के लिए

(2) अनुरागिनी मीरां के लिए

(3) मेजबान के लिए

(4) पानी से भरे बादलों के लिए

(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. "हम तो दुहूँ भाँति फल पायो ।
जो ब्रजनाथ मिलै तो नीको नातरु जग जस गायो ।।
कहँ वै गोकुल की गोपी सब बरनहीन लघु जाती ।
कहँ वै कमला के स्वामी सँग मिलि बैठी इक पाँती ।।
निगमध्यान मुनिज्ञान अगोचर, ते भए घोष निवासी ।
ता ऊपर अब साँच कहो धौं मुक्ति कौन की दासी ?
जोग कथा, पा लागो ऊधो, ना कहु बारंबार ।
सूर स्याम तजि और भजै जो ताकी जननी छार ।।"
पद में व्यंजित नहीं है

(1) गोपियों की स्वाभाविक तर्क पद्धति
(2) मुक्ति को कृष्ण की दासी मानना
(3) मध्यकालीन सामाजिक व्यवस्था का संकेत
(4) कृष्ण से भेंट न होने पर गोपियो को अपयश की प्राप्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. "तेरो बुरो न कोऊ मानै ।
रस की बात मधुप नीरस, सुनु, रसिक होत सो जानै ।।
दादुर बसै निकट कमलन के जन्म न रस पहिचानै ।
अलि अनुराग उड़न मन बाँध्यो कहे सुनत नहिं कानै ।।
सरिता चलै मिलन सागर को कूल मूल द्रुम भानै ।
कायर बकै, लोह तें भाजै, लरै जो सूर बखानै ।।"
पद में व्याख्यायित नहीं है

(1) कायर की चुप्पी एवं लोह निर्मित शस्त्र देखकर भागना
(2) मेंढ़क व भ्रमर का दृष्टांत
(3) अरसिक उद्धव दादुरवत
(4) वक्रोक्ति अलंकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. 'सूरुज जरत हिवंचल ताका', जायसी की इस पंक्ति के अनुसार जलता हुआ सूरज कौन से महीने में हिमालय की ओर जाना चाहता है ?

(1) जेठ (2) बैसाख
(3) असाढ़ (4) कुवार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. "विरह सचान भएउ तन जाड़ा । जियत खाइ औ मुए न छाँड़ा ।" पंक्ति में विरह को माना है

(1) दुधारी तलवार (2) बाज
(3) नागिन (4) हाथी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. नागमती वियोग खण्ड में निम्नलिखित में से कौन सा वर्णन नहीं है ?

(1) बारहमासा वर्णन (2) नक्षत्रों का वर्णन
(3) दीपावली का वर्णन (4) नख शिख वर्णन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. "यह तन जारौं छार कै, कहौं कि 'पवन ! उड़ाव' ।
मकु तेहि मारग उड़ि परै, कंत धरै जहँ पाव ।।"
इस पंक्ति में पति के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की नागमती की भावना का वर्णन जायसी ने किस माह में किया है ?

(1) पूस (2) माघ
(3) फागुन (4) चैत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. 'तुम कारे, सुफलकसुत कारे, कारे मधुप भँवारे ।' सूर की इस पंक्ति में 'सुफलकसुत' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(1) उद्धव के लिए
(2) अक्रूर के लिए
(3) श्रीकृष्ण के लिए
(4) कौओं के लिए
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. "कलिको कलुष मन मलिन किए महत,
मसककी पाँसुरीं पयोधि पाटियतु है ।।"
पंक्ति में रेखांकित का अर्थ है
(1) कलिकाल को मसल कर नष्ट करना
(2) राम नाम की बाँसुरी बजाना
(3) मच्छर की पसलियाँ
(4) मसक में भरा जल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. 'जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस' कवितावली की इस पंक्ति में 'सीद्यमान सोच बस' से अभिप्राय है
(1) संकोचवश
(2) दु:खी और शोक के वश
(3) कुसमाज के कारण दु:खी
(4) अत्यन्त कातर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. 'जानि कै जोरु करौ, परिनाम तुम्है पछितैहौ, पै मैं न भितैहौं ।
ब्राह्मन ज्यों उगिल्यो उरगारि, हौं त्यों हीं तिहारें हिएँ न हितैहौं ।।'
पंक्ति में 'तुम्है' से संकेतित है
(1) तुलसीदास (2) ब्राह्मण
(3) गरुड़ (4) कलिकाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. "पिय-बिछुरन कौ दुसह दुखु, हरषु जात प्यौसार ।" पंक्ति में रत्नाकर जी ने 'प्यौसार' का अर्थ किया है
(1) प्रियतम (2) त्योहार
(3) नैहर (4) ससुराल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. "जुवति जोन्ह मैं मिलि गई, नैंक न होति लखाइ ।
सौंधे कैं डोरैं लगी अली चली सँग जाइ ।।"
दोहे के संदर्भ में असंगत अर्थ वाला विकल्प है
(1) जोन्ह = यौवन (2) अली = सखी
(3) सौंधे = सुगंध (4) लखाइ = लक्षित
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. "सनि कज्जल चख-झख-लगन उपज्यौ सुदिन सनेहु ।"
बिहारी की इस काव्य-पंक्ति में 'झख' शब्द से क्या आशय है ?
(1) मछली (2) झरना
(3) आँख (4) काजल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. "कलिकाल बिचारु अचारु हरो, नहि सूझै कछू धमधूसर को ।।"
पंक्ति में 'धमधूसर' का निहितार्थ है
(1) घटाटोप अंधकार
(2) बुद्धिहीन
(3) श्यामवर्णी मेघ
(4) धुएँ के रंग वाला कलियुग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै ।

हँसि बोलन मैं छबि फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है ह्वै ।

लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै ।

अंग अंग तरंग उठै दुति की, परिहे मनौ रूप अवै धर च्वै ।।

घनानंद के इस छंद के विषय में असंगत है

(1) यह रूप-छटा का वर्णन, अंगदीप्ति का वर्णन है ।

(2) इसमें मुख, नेत्र, वाणी के साथ ही लट, मुक्तामाला का भी वर्णन है ।

(3) रूप वर्णन में कवि आंतर-पक्ष-प्रधान है ।

(4) इसमें विषय-पक्ष प्रमुख है न कि विषयी पक्ष ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. "सालति है नटसाल सी, क्यौं हूँ निकसति नाँहि ।

मनमथ-नेजा-नोक सी, खुभी खुभी जिय माँहि ।।"

दोहे की व्याख्या के संबंध में असंगत है

(1) खुभी का कामदेव के भाले की नोंक की भाँति चुभना

(2) नटसाल की भाँति निरन्तर पीड़ादायक

(3) उपमा व यमक अलंकार

(4) गले में पहने जाने वाले आभूषण का वर्णन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. "घनानन्द की रचना की यह वैषम्यमूलकता या विरोध-वृत्ति केवल शब्द-साधना नहीं है । × × × × × × हिंदी के अन्य मध्यकालीन स्वच्छंद कवियों में विरोध-वृत्ति सार्वत्रिक न होकर क्वाचित्क है । घनानन्द की रचना में यह सार्वत्रिक है ।"

यह कथन किसका है ?

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(2) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(3) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(4) साहित्याचार्य चन्द्रशेखर मिश्र शास्त्री

(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. 'अँखियाँ दुखियानि कुबानि परी', घनानंद की इस पंक्ति में 'कुबानि' शब्द का अर्थ है

(1) बुरी वाणी

(2) कु दृष्टि

(3) बेचारी

(4) बुरी आदत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. "पहचानै हरि कौन, मो से अनपहचान की ।

त्यौं पुकार मधि मौन, कृपा-कान मधि नैन ज्यौं ।।"

छन्द से संदर्भित नहीं है

(1) कानों के मध्य कृपा-दृष्टि के नेत्र

(2) भक्त की पुकार भगवान से

(3) वेदना की चरमावस्था

(4) जगत की दृष्टि में दोष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. 'कर रही लीलामय आनन्द-महाचिति सजग हुई सी व्यक्त'

जयशंकर प्रसाद की इस पंक्ति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत है ?

(1) इस पंक्ति में प्रत्यभिज्ञा दर्शन की छाप दिखाई देती है ।

(2) महाचिति विराट् चेतना-शक्ति है ।

(3) विराट चेतना शक्ति से ही विश्व का सुन्दर विकास होता है ।

(4) ये मनु की पंक्तियाँ हैं जो श्रद्धा को लीलामय जगत का रूप बता रहे हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. 'मधुर मारुत-से ये उच्छ्वास', कामायनी में यह पंक्ति किसके द्वारा कही गई है ?

(1) श्रद्धा

(2) मनु

(3) इड़ा

(4) काम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. "देवसृष्टि की सुख-विभावरी ताराओं की कलना थी।"

पंक्ति में 'कलना' का अर्थ है

(1) प्रवंचना

(2) रजनी

(3) आभा

(4) विलासिता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. "आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर"

'राम की शक्ति पूजा' में यह कथन किसका है ?

(1) हनुमान का

(2) सुग्रीव का

(3) विभीषण का

(4) जाम्बवान का

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. "मधुर विश्रांत और एकांत – जगत का सुलझा हुआ रहस्य,

एक करुणामय सुंदर मौन और चंचल मन का आलस्य !"

इन पंक्तियों की असंगत व्याख्या है

(1) कवि ने 'सुलझा हुआ रहस्य' कहकर अपरिचित मनु के किंचित् परिचित होने का संकेत किया है ।

(2) 'करुणामय सुंदर मौन' द्वारा मनु के मुख पर छाई हुई आशा तथा नीरवता का चित्रण किया है ।

(3) 'चंचल मन का आलस्य' मनु की अकर्मण्यता का सजीव चित्रण किया है ।

(4) इस पद में निरंग रूपक तथा विरोधाभास अलंकार है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. 'अयुत-लक्ष में रहा जो दुराक्रान्त', निराला रचित 'राम की शक्ति पूजा' की इस पंक्ति में 'अयुत' का अर्थ है

(1) निश्चल (2) अयुक्त
(3) दस हजार (4) दस लाख
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. "निस्संदेह 'अँधेरे में' सामान्य स्वप्न-कथा नहीं, बल्कि दु:स्वप्न का कथालोक है, जिसमें हर चीज प्राय: कुछ विकृत, कुछ अन्यथा रूप में दृष्टिगत होती है।" यह कथन किसका है ?

(1) डॉ. रामविलास शर्मा
(2) डॉ. नामवर सिंह
(3) डॉ. नंदकिशोर नवल
(4) डॉ. केदारनाथ सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. "है अमा निशा; उगलता गगन घन अन्धकार;
खो रहा दिशा का ज्ञान; स्तब्ध है पवन-चार;
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल;
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न; केवल जलती मशाल।"

'राम की शक्ति पूजा' से उद्धृत इन पंक्तियों से संकेतित अर्थ नहीं है

(1) जीवन के बाधा-विघ्नों के विरुद्ध अपराजेय मानव-मन का संघर्ष।
(2) दुर्दमनीय विदेशी शासन के बढ़ते हुए अन्याय और आतंक के प्रति प्रबुद्ध राष्ट्र-चेतना का संघर्ष।
(3) प्रकृति-प्राण की भौतिक शक्ति के विरुद्ध मानव-आत्मा की चिन्मय शक्ति का संघर्ष।
(4) अपने युग की विषम परिस्थितियों से हताश कवि का स्वयं से संघर्ष और पराजय का भय।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. "दु:खों के दाग़ों को तमग़ों-सा पहना,
अपने ही ख़यालों में दिन-रात रहना,
असंग बुद्धि व अकेले में सहना,
ज़िन्दगी निष्क्रिय बन गयी तलघर,
अब तक क्या किया,
जीवन क्या जिया !!

× × × × × × × × × × × × × ×
करुणा के दृश्यों से हाय ! मुँह मोड़ गये,
बन गये पत्थर,

× × × × × × × × × × × × × ×
मर गया देश, अरे, जीवित रह गये तुम!!"

'अँधेरे में' कविता की इन पंक्तियों में काव्य-नायक का कौन सा भाव प्रमुखत: व्यंजित है ?"

(1) आत्मभर्त्सना (2) दायित्व बोध
(3) दृढ़ निश्चय (4) करुणा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. 'गोदान' उपन्यास में 'नवयुग की साक्षात् प्रतिमा' किसे कहा गया है ?

(1) मेहता को
(2) धनिया को
(3) मालती को
(4) कामिनी खन्ना को
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. 'अँधेरे में' कविता में काव्य-नायक के अतिरिक्त एक चरित्र और कौन है, जिसका वर्णन कविता के शुरुआत में होता है ?

(1) रक्तालोक स्नात पुरुष
(2) ब्रह्मराक्षस
(3) ब्रह्म
(4) मनु
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. "माँ-बाप से खिंचे रहना कोई अच्छी बात नहीं है । अब हमारे हाथ-पाँव हैं, उनसे खिंच लें, चाहे लड़ लें; लेकिन जन्म तो उन्हीं ने दिया, पाल-पोसकर जवान तो उन्हीं ने किया, अब वह हमें चार बात भी कहें, तो गम खाना चाहिए ।" 'गोदान' उपन्यास में यह कथन किसका है ?

(1) हीरा (2) सिलिया

(3) गोबर (4) धनिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. "वह तो सो गया साहब, पर अपनी सारी बेचैनी मुझे दे गया ।" 'महाभोज' की इस पंक्ति में 'वह' और 'मुझे' किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं ?

(1) बिसेसर और हीरा के लिए

(2) बिसेसर और बिंदा के लिए

(3) बिंदा और रुक्मा के लिए

(4) बिसेसर और रुक्मा के लिए

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. "मैं तो जिसकी हो जाऊँगी, उसकी जनम-भर के लिए हो जाऊँगी । सुख में, दु:ख में, सम्पत में, विपत में, उसके साथ रहूँगी । हरजाई नहीं हूँ ।" 'गोदान' से उद्धृत यह कथन किसने किससे कहा ?

(1) सिलिया ने मातादीन से

(2) झुनिया ने गोबर से

(3) धनिया ने होरी से

(4) सोना ने मथुरा से

(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. 'जिंदा रहने का मतलब समझते हैं न आप ? लोग भूल गए हैं जिंदा रहने का मतलब, इसीलिए पूछ रहा हूँ ।' 'महाभोज' उपन्यास की ये पंक्तियाँ किन पात्रों के मध्य संवाद की हैं ?

(1) बिंदा और रुक्मा के मध्य

(2) बिंदा और सक्सेना के मध्य

(3) बिंदा और जोरावर के मध्य

(4) दा साहब और डी.आई.जी. सिन्हा के मध्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. 'आधे-अधूरे' नाटक के संबंध में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) इसके चरित्र मध्यवर्ग के सामान्य व्यक्ति हैं – महत्त्वाकांक्षी, अतृप्त, असंतुष्ट और कुंठित ।

(2) सभी पात्र रिश्तों में एक-दूसरे से कटे-बँधे और सतत तनावग्रस्त हैं ।

(3) सावित्री स्पष्टत: एकायामी चरित्र है ।

(4) नाटक के पाँच पुरुष एक ही व्यक्ति के विविध रूप या पहलू हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. "हमारी पीढ़ी ने तो केवल त्याग करना ही जाना था – आकांक्षा-अपेक्षा तो कुछ रखी ही नहीं कभी । और आज की पीढ़ी – त्याग करेंगे कन-भर और बदले में चाहेंगे मन भर ।" 'महाभोज' उपन्यास में यह कथन किसका है ?

(1) महेश (2) हीरा

(3) अप्पा साहब (4) लोचन बाबू

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. 'पर मेरी नजर में वह हर आदमी जैसा एक आदमी है – सिर्फ इतनी ही कमी है उसमें ।' 'आधे-अधूरे' नाटक में यह कथन किसके संदर्भ में कहा गया है ?

(1) महेन्द्रनाथ के (2) सिंघानिया के

(3) मनोज के (4) जुनेजा के

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध विषयक असंगत विकल्प है

(1) श्रद्धा दूसरे के महत्त्व की आनंदपूर्ण स्वीकृति है ।

(2) श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है ।

(3) श्रद्धा में कर्म प्रधान और व्यक्ति गौण होता है ।

(4) श्रद्धा के व्यापार-स्थल में विस्तार कम घनत्व अधिक होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. 'आधे-अधूरे' के कथनों एवं कथनकारों की दृष्टि से असंगत है

(1) जिनके आने से हम जितने छोटे हैं उससे और छोटे हो जाते हैं अपनी नजर में – लड़का (अशोक)

(2) रबड़-स्टैंप के माने क्या होते हैं ? एक अधिकार, एक रुतबा, एक इज्जत – यही न ? – स्त्री (सावित्री)

(3) मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ । – 'बड़ी लड़की'

(4) जिस मुट्ठी में तुम कितना कुछ एक साथ भर लेना चाहती थीं, उसमें जो था वह भी धीरे-धीरे फिसलता गया । – पुरुष तीन (जगमोहन)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. 'राघव: करुणो रस:' निबंध के अनुसार 'निर्वासन' का अवसर जात निदान है

(1) अनासक्ति

(2) निर्विकारिता

(3) स्व के प्रति तटस्थता

(4) शांत सौन्दर्यबोध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. "लहना सिंह ने उसे तो यह कहकर सुला दिया कि 'एक हड़का हुआ कुत्ता आया था, मार दिया' औरों को सब हाल कह दिया ।" 'उसने कहा था' कहानी के इस कथन में प्रयुक्त 'उसे' शब्द किसके लिए आया है ?

(1) बोधा सिंह

(2) वजीरा सिंह

(3) कीरत सिंह

(4) लपटन साहब

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध में सहजात वृत्तियाँ किन्हें कहा है ?

(1) औपचारिक रूप से सीखी हुई प्रवृत्तियाँ

(2) जन्म के साथ उत्पन्न होने वाली प्रवृत्तियाँ

(3) समाज में साथ रहने से आने वाली प्रवृत्तियाँ

(4) देखादेखी द्वारा सीखी हुई प्रवृत्तियाँ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. 'पुरस्कार' कहानी के केन्द्रीय भाव को व्यक्त करने वाली प्रमुख संवेदना है

(1) मधुलिका का स्वाभिमान

(2) राजकुमार अरुण की प्रतिशोध भावना

(3) कौशल नरेश की साम्राज्यवादी नीति

(4) मधुलिका का प्रेम द्वन्द्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. 'कफन' कहानी के संदर्भ में असंगत कथन है

(1) यह अर्थ के दबाव से संबंधित सामाजिक कहानी है।

(2) इसमें पति-पत्नी और बाप-बेटे के भावात्मक संबंधों को कुचल दिया गया है।

(3) यह कहानी समाज में प्रचलित नैतिकतावादी धारणाओं का भी मजाक उड़ाती है।

(4) यह कहानी निर्दिष्ट अंतिम बिंदु की ओर नाटकीयता से भागती है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. "एक ओर उसकी उद्दामता और ओजस्विता है, दूसरी ओर इस चट्टानी व्यक्तित्व के भीतर प्रेम की अंत: सलिला है। इन दोनों के द्वन्द्व से उसके विशिष्ट व्यक्तित्व का निर्माण हुआ है।"
रामदरश मिश्र ने इस कथन के माध्यम से किस पात्र की चारित्रिक विशेषता को उदघाटित किया है ?

(1) डोंडी (2) गदल

(3) बुधिया (4) मधुलिका

(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. 'सौन्दर्य की नदी नर्मदा' यात्रा-वृत्तांत संग्रह में उत्तर तट की यात्रा है

(1) ओंकारेश्वर से खलघाट

(2) शूलपाणेश्वर से कबीरबड़

(3) अमरकंटक से डिंडौरी

(4) मंडला से छिनगाँव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. "मोर जैसे पंख फैलाकर नाचता है, उसी तरह नर्मदा ने यहाँ अपनी जलधाराएँ फैला दी हैं।"
'सौन्दर्य की नदी नर्मदा' के अनुसार 'यहाँ' से संकेतित स्थान है

(1) रामघाट (2) सकरीघाट

(3) मरवारीघाट (4) पद्मीघाट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. 'अपने अंक में मुझे दो बार लिया, इसलिए यह नाटक एकांकी न रहकर द्विअंकी हो गया।'
अमृतलाल वेगड़ इस पंक्ति के द्वारा किस स्थान का उल्लेख कर रहे हैं ?

(1) नावडाटोडी (2) मंडला

(3) बरमानघाट (4) साटक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. "उसकी आँखों में गुस्सा नहीं था। ऐसा कुछ था जो धीरे-धीरे बर्फ की तरह पिघल रहा था।"
'सलाम' कहानी की इस पंक्ति में रेखांकित पद 'उसकी' से आशय है

(1) कमल (2) हरीश

(3) जुम्मन (4) बल्लू

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. 'ब्रजभाषा' के संबंध में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

(1) इसका विकास शौरसेनी अपभ्रंश के मध्यवर्ती रूप से हुआ है ।

(2) यह मथुरा, आगरा के साथ ही मेरठ, दिल्ली, मुरादाबाद के क्षेत्रों की मुख्य बोली है ।

(3) इसकी मुख्य उपबोलियाँ – भरतपुरी, डाँगी, माथुरी आदि हैं ।

(4) साहित्य और लोक साहित्य दोनों ही दृष्टियों से ब्रजभाषा बहुत सम्पन्न है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. हिन्दी की किस बोली में पंजाबी, बाँगरू ब्रज के तत्त्व भी अपने मूल या परिवर्तित रूप में समाहित हैं ?

(1) अवधी (2) खड़ी बोली

(3) मेवाती (4) गढ़वाली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. गोंडा और बहराइच जिले के कुछ भाग हिन्दी की किस बोली से संबंधित हैं ?

(1) अवधी (2) बघेली

(3) छत्तीसगढ़ी (4) भोजपुरी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का विकास किससे माना जाता है ?

(1) पैशाची (2) अर्धमागधी

(3) मागधी (4) शौरसेनी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. डिंगल के विषय में कौन सा कथन गलत है ?

(1) डॉ. भोलानाथ तिवारी के अनुसार पश्चिमी राजस्थानी के साहित्यिक रूप को डिंगल कहा जाता है ।

(2) मारवाड़ी भाषा के लिए डिंगल शब्द का प्रयोग जोधपुर के कविराज बाँकीदास ने किया ।

(3) गजराज ओझा के अनुसार डींगल को पिंगल के सादृश्य पर डिंगल कहा जाने लगा ।

(4) इसमें प्रभावशाली साहित्य रचना का प्राय: अभाव है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. 'तोरावाटी' और 'चौरासी' किस बोली की मुख्य उपबोलियाँ हैं ?

(1) हाड़ौती (2) मेवाती

(3) वागड़ी (4) ढूँढाड़ी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. मेवाती किसकी बोली है ?

(1) दक्षिणी पूर्वी राजस्थानी की

(2) उत्तरी पूर्वी राजस्थानी की

(3) मध्य पूर्वी राजस्थानी की

(4) उत्तरी पश्चिमी राजस्थानी की

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. भोजपुरी बोली के संबंध में असंगत कथन है

(1) भोजपुरी की उत्पत्ति शौरसेनी अपभ्रंश के पश्चिमी रूप से मानी जाती है ।

(2) भोजपुरी को भोजपुरिया भी कहते हैं ।

(3) भोजपुरी प्रमुखत: नागरी लिपि में लिखी जाती है ।

(4) दक्षिणी भोजपुरी भोजपुरी का परिनिष्ठित रूप है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. हिंदी भाषा की प्रसार-वृद्धि करना, उसका विकास .... उसकी समृद्धि सुनिश्चित करना संघ का कर्त्तव्य होगा । यह प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में है ?

(1) अनुच्छेद 348

(2) अनुच्छेद 351

(3) अनुच्छेद 345

(4) अनुच्छेद 343

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. निम्नलिखित में कौन सा संख्यावाचक शब्द भारत सरकार द्वारा मानक रूप में स्वीकृत है ?

(1) इकत्तीस (2) बत्तीस

(3) तैंत्तीस (4) चौंत्तीस

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की मानक वर्णमाला में सम्मिलित संयुक्त व्यंजन नहीं है

(1) प्र (2) त्र

(3) श्र (4) ज्ञ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. संविधान के किस अनुच्छेद में राज्यों की राजभाषा के सम्बन्ध में व्यवस्था दी गई ?

(1) अनुच्छेद 343

(2) अनुच्छेद 344

(3) अनुच्छेद 345

(4) अनुच्छेद 348

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार द्वारा 2024 में प्रकाशित 'देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण' के अनुसार असंगत कथन है

(1) कुल स्वर 11 हैं ।

(2) चंद्रबिंदु स्वर की अनुनासिकता का अभिलक्षण है ।

(3) अनुस्वार और अनुनासिक हिंदी में अर्थभेदक नहीं हैं ।

(4) व्यंजनों की कुल संख्या 40 है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार द्वारा 2024 में प्रकाशित 'देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण' के अनुसार संयुक्त व्यंजन के रूप में जहाँ पंचम वर्ण के बाद सवर्गीय शेष चार वर्णों में से कोई वर्ण हो तो एकरूपता के लिए प्रयोग करना चाहिए

(1) विसर्ग (2) अनुनासिक

(3) अनुस्वार (4) आगत चिह्न

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. देवनागरी लिपि की विशेषताओं के संबंध में असंगत कथन है

(1) इसकी वर्णमाला अक्षर प्रधान है, ध्वनि प्रधान नहीं है ।

(2) यह लिपि बायें से दाहिनी ओर को लिखी जाती है ।

(3) लिपि चिह्नों के आकार की दृष्टि से यह बहुत सरल है ।

(4) इसमें स्वरों के मात्रा-चिह्न तथा अंकों के चिह्न मूल लिपि-चिह्नों से पृथक् हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK